पाठ 17. एक गिलास दूध

पाठ का उद्देश्य

यदि ज़रूरत के समय कोई हमारी मदद करता है तो उस इनसान को भुलाना आसान नहीं होता। प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य अमरीका के प्रसिद्ध डॉक्टर, होवार्ड केली के व्यक्तित्व से बच्चों को परिचित कराना है। डॉ. केली के मानवीय गुणों और जीवन मूल्यों द्वारा बच्चों में मानवीय मूल्यों जैसे दूसरों की सेवा करना, उनका दुख समझना आदि को विकसित करना है।

पाठ का सारांश

डॉ. होवार्ड केली अमरीका के एक ख्याति प्राप्त डॉक्टर थे। बचपन में वे अपने स्कूल की फ़ीस जमा करने के लिए घर-घर जाकर सामान बेचा करते थे। एक दिन उनका कुछ भी सामान नहीं बिका। भूख के मारे उनका बुरा हाल था। उन्होंने एक घर का दरवाज़ा खटखटाया। घर का दरवाज़ा एक लड़की ने खोला। केली ने उससे एक गिलास पानी माँगा। लड़की समझ गई कि उसे भूख लग रही है। वह उसके लिए पानी की जगह एक गिलास दूध ले आई। केली ने कहा कि उसके पास दूध की कीमत चुकाने के लिए पैसे नहीं हैं। लड़की ने कहा कि उसकी माँ ने समझाया है कि सहायता करने का कोई मोल नहीं होता। उस घटना के कई वर्षों बाद केली बहुत प्रसिद्ध डॉक्टर बन चुके थे। एक दिन उनके अस्पताल में गंभीर रूप से बीमार एक मरीज़ आया। यह वही लड़की थी जिसने केली की मदद की थी। केली ने उसे पहचान लिया और स्वस्थ होने तक उसके इलाज में कोई कमी नहीं छोड़ी। स्वस्थ होने के बाद जब उस लड़की ने अस्पताल के बिल को देखा तो आश्चर्यचकित रह गई। बिल के ऊपर डॉ. केली के हस्ताक्षर थे तथा एक ओर लिखा था कि इस बिल की कीमत 'एक गिलास दूध' के रूप में चुका दी गई है। लड़की ने डॉ. केली के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

अध्यापन संकेत

पाठ की संक्षिप्त पृष्ठभूमि तैयार करें। बच्चों को डॉ. होवार्ड केली के बारे में बताएँ। बच्चों से पूछें कि क्या उन्होंने कभी किसी की सहायता की है? यदि वे किसी की सहायता करते हैं तो उसके बदले में क्या उससे कुछ लेते भी हैं?

बच्चों में सहायता, सेवा, कृतज्ञता आदि भावों एवं मूल्यों को विकसित कीजिए।

- कष्ट, प्रयास, मूल्य, ख्याति, हस्ताक्षर आदि कठिन शब्दों का उच्चारण करते हुए श्यामपट्ट पर लिखें, इन शब्दों का अर्थ बताएँ। इन शब्दों का उच्चारण करने के लिए बच्चों को प्रेरित करें। ये शब्द संयुक्ताक्षर हैं। पाठ में आए अन्य संयुक्ताक्षरों के बारे में समझाएँ।
- पाठ में से कुछ शब्द बोलें और बच्चों को अपनी पुस्तिका पर लिखने को कहें। बच्चों के लेखन एवं वर्तनी की शुद्धता पर ध्यान दीजिए।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।